



## भारत का FDI 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक

### प्रलम्ब के लिये:

[प्रत्यक्ष विदेशी निवेश](#), [विश्व प्रतिस्पर्धात्मक सूचकांक](#), [वैश्विक नवाचार सूचकांक](#), [एंजल टैक्स](#), [मेक इन इंडिया पहल](#), [उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन योजना](#), [उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग](#)

### मेन्स के लिये:

भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI), विकास में FDI की भूमिका

[स्रोत: पी.आई.बी](#)

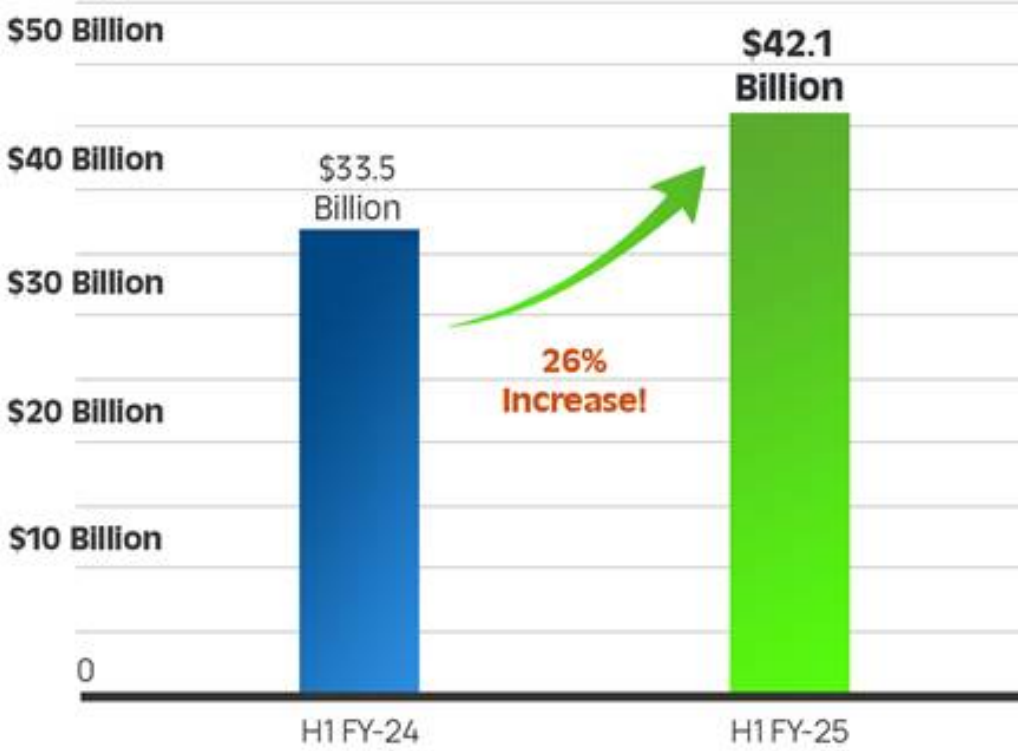
## चर्चा में क्यों?

वर्ष 2000 से अब तक भारत में [प्रत्यक्ष विदेशी निवेश \(FDI\)](#) का प्रवाह 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है, जो वैश्विक निवेश के केंद्र के रूप में इसके बढ़ते आकर्षण को दर्शाता है।

- इस उपलब्धि को चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में FDI में 26% की वृद्धि होकर 42.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने से भी बल मिला है, जो रणनीतिक पहलों, नीतिगत सुधारों और बढ़ी हुई वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के प्रभाव को दर्शाता है।

//

# Growth in India's FDI Inflows



Source - Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT)

## भारत की FDI वृद्धि को कौन-से कारक प्रेरित कर रहे हैं?

- प्रतसिपर्द्धात्मकता और नवाचार: [वैश्व प्रतसिपर्द्धात्मक सूचकांक वर्ष 2024](#) में भारत की रैंकिंग वर्ष 2021 के 43 वें स्थान से सुधरकर 40 वें स्थान पर आ गई।
- वैश्विक नवाचार सूचकांक वर्ष 2023 में भारत ने 132 अर्थव्यवस्थाओं में से 40वाँ स्थान प्राप्त किया, जो वर्ष 2015 के 81वें स्थान से उल्लेखनीय वृद्धि है।
  - नवाचार और प्रतसिपर्द्धात्मकता में प्रगति ने भारत को नवाचार-संचालित निवेश के लिये एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित कर दिया है।
- वैश्विक निवेश स्थिति: 1,008 घोषणाओं के साथ ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिये भारत को वैश्विक स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त है (वैश्व निवेश रिपोर्ट 2023)।
- भारत में अंतरराष्ट्रीय परियोजना वित्त सौदों में भी 64% की वृद्धि हुई, जिससे यह अंतरराष्ट्रीय वित्त सौदों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या प्राप्त करने वाला देश बन गया है।
- ये आँकड़े भारत की बढ़ती वैश्विक निवेश प्रमुखता को उजागर करते हैं।
- बेहतर व्यापारिक वातावरण: भारत ने अपने व्यापारिक वातावरण में उल्लेखनीय सुधार की है, जो वर्ष 2014 में 142 वें स्थान से बढ़कर [वैश्व बैंक डूइंग बिजनेस रिपोर्ट, 2020](#) में 63वें स्थान पर पहुँच गया है।
- यह वनियमों को सरल बनाने के प्रयासों को दर्शाता है, जिससे नौकरशाही संबंधी बाधाओं में कमी से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है।
- नीतित्त सुधार: [आयकर अधिनियम, 1961](#) में वर्ष 2024 के संशोधन से [एंजल टैक्स](#) समाप्त हो गया तथा स्टार्टअप्स और निवेशकों के लिये अनुपालन को सरल बनाने हेतु विदेशी कंपनियों के लिये आयकर की दर कम कर दी गई।

## FDI को बढ़ावा देने की पहल:

- संयुक्त अरब अमीरात के साथ द्विपक्षीय निवेश संधि (BIT): संयुक्त [अरब अमीरात के साथ BIT पर हस्ताक्षर करने का उद्देश्य निवेशकों का विश्वास बढ़ाना और 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण](#) के अनुरूप निवेश को प्रोत्साहित करना है।
- उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (PLI) योजना: [PLI योजना](#) विनिर्माण क्षेत्रों को समर्थन देती है, जिससे श्वेत वस्तु क्षेत्र में FDI को बढ़ावा

मलिता है।

- **मेक इन इंडिया पहल:** वर्ष 2014-2022 के बीच **मेक इन इंडिया पहल** ने वनरिमाण क्षेत्र में FDI को 57% तक बढ़ा दिया।
- **वदेशी निवेश सुविधा पोर्टल (FIFP):** **FIFP नविशकों के लिये एकल इंटरफेस** की पेशकश करके FDI अनुमोदन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है, अनुमोदन में तेजी लाता है और वदेशी निवेश के प्रवाह को सुगम बनाता है।
- **PM गति शक्ति:** **PM गति शक्ति** जैसे उपायों का उद्देश्य बुनियादी ढाँचे और कनेक्टिविटी में सुधार करके FDI को और बढ़ावा देना है।
- **FDI उदारीकरण वाले प्रमुख क्षेत्र:** भारत ने वैश्विक निवेश आकर्षण करने के लिये विभिन्न क्षेत्रों में FDI को उदार बनाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है।
  - अंतरिक्ष क्षेत्र में **100% FDI की अनुमति**, रक्षा क्षेत्र में स्वचालित मार्ग से **FDI की सीमा को बढ़ाकर 74% तथा सरकारी अनुमोदन के माध्यम से 100% कर दिया गया है।**
  - **फार्मास्यूटिकल क्षेत्र ब्राउनफील्ड परियोजनाओं में 74% FDI की अनुमति देता है, और नागरिक विमानन ब्राउनफील्ड हवाई पट्टन परियोजनाओं में 100% FDI की अनुमति देता है।**
  - खुदरा, बीमा और दूरसंचार क्षेत्रों में भी FDI सीमा में वृद्धि देखी गई है, साथ ही बुनियादी ढाँचे को बढ़ाने और निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण सुधार किये गए हैं।
  - **राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र योजना और PLI पहल** से परधान क्षेत्र को लाभ मलिता है, जिससे FDI को और बढ़ावा मलिता है।

## प्रत्यक्ष वदेशी निवेश क्या है?

- **परिचय:** जब एक देश की कोई फर्म या व्यक्ति किसी अन्य देश के व्यवसाय में निवेश करता है या किसी व्यवसाय में नियंत्रणकारी हस्तिसेदारी प्राप्त करता है, तो इसे **प्रत्यक्ष वदेशी निवेश (FDI)** कहा जाता है।
  - इसमें केवल पूंजी ही शामिल नहीं है, बल्कि इसमें **वशिषज्जता, प्रौद्योगिकी और कौशल** भी शामिल हैं, जो मेजबान देश के आर्थिक विकास में योगदान दे सकते हैं।
- **FDI के प्रकार:**
  - **ग्रीनफील्ड निवेश:** बहुत अधिक नियंत्रण और नजीकरण के साथ नई कंपनी की शुरुआत करना।
  - **ब्राउनफील्ड निवेश:** मौजूदा सुविधाओं का उपयोग करके वलिय, अधिग्रहण या संयुक्त उद्यम के माध्यम से वस्तितार करना।
  - संगठन द्वारा पहले से मौजूद संरचनाओं के उपयोग के कारण, **ग्रीनफील्ड परियोजनाओं** की तरह नियंत्रण उतना अधिक नहीं हो सकता है, यद्यपि पर्याप्त परिचालन प्रभाव की अभी भी अनुमति है।

## भारत में FDI:

- **शासन:** भारत में **FDI वदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA), 1999** द्वारा शासित होता है, और वाणजिय एवं उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) द्वारा प्रशासित होता है।
- **FDI की अनुमति:** विभिन्न क्षेत्रों में FDI की अनुमति या तो स्वचालित मार्ग से या सरकारी मार्ग से प्रदान की जाती है।
  - स्वचालित मार्ग के अंतर्गत, अनविासी या भारतीय कंपनी को **भारत सरकार** से किसी अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती है।
  - जबकि, सरकारी मार्ग के तहत **निवेश से पहले भारत सरकार से अनुमोदन आवश्यक है।**
    - सरकारी मार्ग के अंतर्गत वदेशी निवेश के प्रस्तावों पर संबंधित प्रशासनिक मंत्रालय/विभाग द्वारा वचिर कया जाता है।
- **स्वचालित मार्ग के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र:** पशुपालन और कृषि, वायु परिवहन, ऑटो पार्ट्स, कार, ग्रीनफील्ड जैव प्रौद्योगिकी, ई-कॉमर्स, नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य उद्योग
- **सरकारी मार्ग के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र:** बैंकिंग और सार्वजनिक क्षेत्र, प्रसारण सामग्री सेवाएँ, खाद्य उत्पाद खुदरा व्यापार, उपग्रह की स्थापना और संचालन।
- भारत में FDI निधि: परमाणु ऊर्जा उत्पादन, जुआ और सट्टेबाजी, लॉटरी, चटि फंड, रयिल एस्टेट और तंबाकू व्यवसाय जैसे उद्योगों में प्रत्यक्ष वदेशी निवेश पूर्णतया वर्जित है।
- भारत के शीर्ष FDI स्रोत: भारत को वर्ष 2023-24 में सगिापुर से सबसे अधिक FDI प्राप्त हुआ, उसके बाद मॉरीशस, संयुक्त राज्य अमेरिका, नीदरलैंड और जापान का स्थान है।

**नोट:** **कोविड-19** महामारी के कारण भारतीय कंपनियों के अवसरवादी अधिग्रहण/अधिग्रहण पर अंकुश लगाने के लिये, सरकार ने **प्रेस नोट 3 (2020)** के माध्यम से FDI नीति, 2017 में संशोधन कया।

- भारत के साथ **स्थलीय सीमा साझा करने वाले देशों की कंपनियों या जिनके लाभकारी स्वामी** उन देशों में से किसी एक से हैं, को केवल सरकारी मार्ग/चैनल के माध्यम से ही भारत में निवेश करने की अनुमति है।
- **प्रेस नोट 3** के प्रयोजन के लिये, **भारत पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, चीन (हांगकांग सहित), बांग्लादेश और म्यांमार को भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों (सीमावर्ती देशों) के रूप में मान्यता देता है।**



# FDI और FPI



## प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)

### FDI:

- किसी दूसरे देश में स्थित व्यवसायों और संपत्तियों में विदेशी संस्थाओं/व्यक्तियों द्वारा किया गया निवेश

### FDI के अंतर्वाह हेतु मार्ग :

#### स्वचालित मार्ग:

- ◆ किसी पूर्व सरकारी स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है
- ◆ गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 100% तक की अनुमति

#### सरकारी मार्ग:

- ◆ कुछ क्षेत्रों में या विशिष्ट सीमा से ऊपर के निवेश के लिये आवश्यक
- ◆ उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ( DPIIT ) और RBI द्वारा प्रशासित

### स्वचालित और सरकारी रूट के माध्यम से स्वीकृति के उदाहरण:

- बैंकिंग ( निजी क्षेत्र ): 49% तक (स्वायत्त) + 49% से ऊपर और 74% तक ( सरकारी )
- रक्षा: 74% तक (स्वायत्त) + 74% से अधिक (सरकारी)
- हेल्थकेयर ( ब्राउनफील्ड ): 74% तक (स्वायत्त) + 74% से ऊपर ( सरकारी )
- दूरसंचार सेवाएँ: 49% तक (स्वायत्त) + 49% से अधिक (सरकारी)

### विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड ( FIPB ):

- वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आता है
- FDI प्रस्तावों को संसाधित करने के लिये जिम्मेदार - विदेशी निवेश सुविधा पोर्टल ( FIPB ) द्वारा सुविधा प्रदान की गई
- सरकार की मंजूरी के लिये सिफारिशें करना

भारत ( चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान ) के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से FDI के लिये सरकार की पूर्व स्वीकृति अनिवार्य है।

### भारत के शीर्ष 5 FDI स्रोत ( वित्त वर्ष 2022-23 ):

- मॉरीशस
- सिंगापुर
- अमेरिका
- नीदरलैंड
- जापान

### FDI आकर्षित करने वाले भारत के शीर्ष क्षेत्र ( वित्त वर्ष 2022-23 ):

- सेवा क्षेत्र
- कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हाईटेक
- व्यापार
- दूरसंचार
- ऑटोमोबाइल उद्योग



## विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI)

### FPI:

- वित्तीय संपत्तियों में विदेशी व्यक्तियों, संस्थानों या निधियों द्वारा किये गए निवेश
- फ्लॉइ बाय नाइट या हॉट मनी के नाम से जाना जाता है

### महत्वपूर्ण विशेषताएँ:

- स्वामित्व प्राप्त किये बिना वित्तीय संपत्तियों की खरीद होती है
- निष्क्रिय निवेश दृष्टिकोण
- निवेशक लाभांश, ब्याज और पूंजी वृद्धि के माध्यम से रिटर्न अर्जित करते हैं

### उदाहरण:

- स्टॉक, बॉण्ड आदि।

### नियामक संस्था:

- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ( SEBI )

### FDI और FPI के बीच अंतर

| विशेषताएँ              | FDI   | FPI   |
|------------------------|---|---|
| निवेश की प्रकृति       | दीर्घकालिक  | अल्पकालिक   |
| उद्देश्य               | दूसरे देश में दीर्घकालिक निवेश                        | निवेश पर त्वरित रिटर्न अर्जित करना                                |
| नियंत्रण               | महत्वपूर्ण ( निवेशित इकाई पर )                        | नहीं या सीमित नियंत्रण  |
| निवेश                  | मूल संपत्ति ( जैसे, कारखाने, भवन )                    | वित्तीय संपत्ति ( जैसे, स्टॉक, बॉण्ड )                            |
| रिटर्न्स               | लाभ, लाभांश और पूंजी अभिमूल्यन                        | लाभांश, ब्याज, और पूंजी अभिमूल्यन                                 |
| नीति विनियम            | सरकार की नीतियाँ और क्षेत्र-विशिष्ट नियम              | लचीले नियम और आसान प्रवेश/निकास                                   |
| अर्थव्यवस्था पर प्रभाव | रोज़गार सृजन, प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण और आर्थिक विकास | अल्पकालिक तरलता प्रदान करता है और शेयर बाज़ार को प्रभावित करता है |



Drishti IAS

## FDI का महत्त्व क्या है?

- **रोज़गार और आर्थिक विकास:** FDI रोज़गार सृजन को बढ़ावा देकर बेरोज़गारी को कम करता है, तथा आय के स्रोत को बढ़ाता है, जिससे समग्र आर्थिक विकास में योगदान मिलता है।
  - FDI से पूंजी आती है, कर राजस्व में वृद्धि होती है और बुनियादी ढाँचे में सुधार होता है।
  - **उदाहरण के लिये अमेज़न और वॉलमार्ट (फ्लिपकार्ट के माध्यम से)** जैसी वैश्विक कंपनियों के प्रवेश से खुदरा और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में अनेक रोज़गार उत्पन्न हुए हैं।
- **मानव संसाधन विकास:** वैश्विक कौशल और प्रौद्योगिकियों से परिचित होने से कार्यबल की गुणवत्ता में सुधार होता है, जिससे व्यापक अर्थव्यवस्था को लाभ मिलता है।
  - उदाहरण के लिये, भारत में IBM और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रतष्ठिति कंपनियों ने **स्थानीय कार्यबल के कौशल को बढ़ाया है।**
- **पछिड़े क्षेत्रों का विकास:** FDI अवकिसति क्षेत्रों को औद्योगिक केंद्रों में बदलने में मदद करता है, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक प्रगति को बढ़ावा मिलता है।
  - हुंडई और फोर्ड जैसी कंपनियों के निवेश से तमलिनाडु में ऑटोमोबाइल हब ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी बढ़ावा दिया है।
- **नरियात में वृद्धि:** FDI से नरियातानुमुख इकाईयों की स्थापना हो सकती है, जिससे देश की नरियात क्षमता में वृद्धि होगी।

- उदाहरण के लिये, भारत का आईटी क्षेत्र, जैसी एकसेंचर जैसी कंपनियों से महत्त्वपूर्ण FDI प्राप्त होता है, एक प्रमुख उद्योग बन गया है, जो विश्व भर के ग्राहकों को सॉफ्टवेयर सेवाएँ नरियात करता है।
- **वनिमिय दर स्थिरता:** नरितर FDI का प्रवाह **वदिशी मुद्रा उपलब्ध कराता है, जिससे मुद्रा स्थिरता को समर्थन मलिता है।**
  - **दूरसंचार और फार्मास्यूटिकल्स** जैसे प्रमुख क्षेत्रों में FDI का नरितर प्रवाह स्थिर वनिमिय दर बनाए रखने में सहायक है।
- **प्रतसिपरद्धी बाज़ार का नरिमाण:** FDI प्रतसिपरद्धा को बढ़ावा देता है, नवाचार को बढ़ावा देता है, और उपभोक्ताओं को प्रतसिपरद्धी मूल्यों पर उत्पादों की व्यापक रेंज प्रदान करता है।
  - **IKEA जैसे वैश्विक ब्रांड** के प्रवेश से खुदरा क्षेत्र में प्रतसिपरद्धा बढ़ गई है, जिससे उपभोक्ताओं को लाभ हुआ है।

## FDI के समकष चतिाँ क्या हैं?

- **राष्ट्रीय सुरक्षा:** रक्षा या दूरसंचार जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में FDI से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है।
  - उदाहरण के लिये **वभिनिन देशों में महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे में चीनी नविश को लेकर चतिाँ** व्यक्त की गई हैं।
- **आर्थिक नरिभरता:** जो देश FDI पर बहुत अधिक नरिभर है, वह नविशक देश की अर्थव्यवस्था में होने वाले परिवर्तनों के प्रत अधिक संवेदनशील हो सकता है।
  - यदि वदिशी नविशक अपने नविश में कटौती या वापसी का विकल्प चुनते हैं, तो इससे अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है।
  - बैंकिंग जैसे उद्योगों में यह चतिा का वषिय है, जहाँ वदिशी संगठन अपने हतियों को देश के हतियों से ऊपर रखते हैं।
- **लाभ प्रत्यावर्तन:** वदिशी व्यवसायों से होने वाले लाभ को अक्सर उनके गृह राष्ट्रों में वापस भेज दिया जाता है, जिससे मेजबान देश के आर्थिक लाभ कम हो सकते हैं। परणामस्वरूप पूंजी का शुद्ध बहिरवाह हो सकता है।
- **स्थानीय व्यवसायों पर प्रभाव:** बड़ी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों क्षेत्रीय कंपनियों से प्रतसिपरद्धा में आगे निकल सकती हैं, जिसके परणामस्वरूप उनका व्यवसाय बंद हो सकता है और रोजगार में कमी आ सकती है।
  - यह वशिष रूप से विकिसशील अर्थव्यवस्थाओं के लिये चतिा का वषिय है, जहाँ स्थानीय व्यवसायों के पास प्रतसिपरद्धा करने के लिये संसाधन की कमी होती है।
- **पर्यावरण संबंधी चतिाँ:** वदिशी नविश, वशिषकर नषिकरण उद्योगों में, **पर्यावरण क्षरण** का कारण बन सकता है।
  - ऐसे कई उदाहरण हैं जहाँ पेपसिको जैसी वदिशी कंपनियों पर **स्थानीय पर्यावरण नयिमों** का पालन नहीं करने का आरोप लगाया गया है।
- **श्रम शोषण:** वदिशी कंपनियों कम **मज़दूरी देकर या श्रम कानूनों का पालन न करके स्थानीय श्रमिकों का शोषण** कर सकती हैं। इससे कार्य करने की खराब परस्थितियों और सामाजिक अशांत उत्पन्न हो सकती है।

## आगे की राह:

- **व्यापार करने में आसानी:** अधिक वदिशी नविशकों को आकर्षित करने के लिये FDI वनियिमों को सरल बनाना, नौकरशाही बाधाओं को कम करना और अनुमोदन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना।
- **स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करना:** वैश्विक पर्यावरणीय लक्ष्यों के अनुरूप **हरति एवं सतत् प्रौद्योगिकियों** में प्रत्यक्ष वदिशी नविश को प्रोत्साहित करना।
  - स्थिर और पारदर्शी नीतियों को सुनश्चित करने से नविशकों का वशिवास बढ़ेगा, जिससे नरितर FDI प्रवाह को बढ़ावा मलिगा।
- **कौशल एवं रोजगार: FDI स्थानीय रोजगार और कौशल विकास** को वशिष रूप से वनिरिमाण और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सुनश्चित करना।
- **अनुसंधान एवं विकास तथा नवप्रवर्तन में नविश:** नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने तथा भारत की वैश्विक प्रतसिपरद्धात्मकता को बढ़ाने के लिये **अनुसंधान एवं विकास में FDI** को बढ़ावा देना।
- **अवसंरचना विकास:** डिजिटल और भौतिक परसिंपत्तियों सहित अवसंरचना में नविश करने से नविश गंतव्य के रूप में भारत का आकर्षण बढ़ सकता है।
- **क्षेत्र-वशिषिट सुधार:** नवाचार और नविश को प्रोत्साहित करने के लिये रक्षा, अंतरिक्ष और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में लक्षित सुधारों को लागू करना।

## नषिकरण:

भारत का प्रत्यक्ष वदिशी नविश प्रवाह, जो वर्ष 2000 से वर्तमान में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है, इसकी बढ़ती वैश्विक प्रतसिपरद्धात्मकता और सफल सुधारों को दर्शाता है। "मेक इन इंडिया" और क्षेत्रीय उदारीकरण जैसी पहल भारत को वैश्विक मंच पर सतत् विकास एवं वृद्धि के लिये तैयार करती हैं।

?????? ???? ?????:

**प्रश्न:** भारत की प्रतसिपरद्धात्मकता और नवाचार परस्थितिकी तंत्र में प्रत्यक्ष वदिशी नविश (FDI) की भूमिका का वशिलेषण कीजिये। वैश्विक प्रतसिपरद्धात्मकता में सुधार FDI को कैसे प्रभावित करता है?

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs)

??????:

**प्रश्न.** भारत में प्रत्यक्ष वदिशी नविश के संदर्भ में नमिनलखिति में से कौन-सी उसकी प्रमुख वशिषता मानी जाती है? (2020)

- (a) यह मूलतः किसी सूचीबद्ध कंपनी में पूंजीगत साधनों द्वारा किया जाने वाला नविश है।
- (b) यह मुख्यतः ऋण सृजति न करने वाला पूंजी प्रवाह है।
- (c) यह ऐसा नविश है जिससे ऋण-समाशोधन अपेक्षति होता है।
- (d) यह वदिशी संस्थागत नविशकों द्वारा सरकारी प्रतभूतियों में किया जाने वाला नविश है।

**उत्तर: (b)**

**प्रश्न. नमिनलखिति पर वचिार कीजयि: (2021)**

वदिशी मुद्रा परविरतनीय बॉण्ड

कृछ शर्तों के साथ वदिशी संस्थागत नविश

वैश्वकि डपिंज़टिरी रसीदें

अनविासी बाहरी जमा

**उपरयुक्त में से कसिको प्रत्यक्ष वदिशी नविश में शामिल किया जा सकता है?**

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 3
- (c) केवल 2 और 4
- (d) केवल 1 और 4

**उत्तर: (a)**

**मेन्स**

भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिये प्रत्यक्ष वदिशी नविश की आवश्यकता का औचित्य सिद्ध कीजयि। हस्ताक्षरति MOU और वास्तवकि FDI के बीच अंतर क्यों है? भारत में वास्तवकि प्रत्यक्ष वदिशी नविश को बढ़ाने के लिये उठाए जाने वाले सुधारात्मक कदमों का सुझाव दीजयि। (2016)